**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय
रक्षा उत्पादन विभाग**

**राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3842**

**02 अप्रैल, 2018 को उत्तर के लिए**

**बांस्का बिस्टरिका स्थित कंपनी ग्रैन्ड पावर एस.आर.ओ. की शिकायतें**

**3842.डा. वी. मैत्रेयन:**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या प्रधान मंत्री कार्यालय को वर्ष 2017 में बांस्का बिस्टरिका स्थित कंपनी ग्रैन्ड पावर एस.आर.ओ. से कोई शिकायत-पत्र प्राप्त हुआ था;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उपर्युक्त कंपनी ने 2 अगस्त, 2017 को भारतीय रक्षा अताशे को इस कंपनी का सत्यापन किए जाने का कार्य सौंपे जाने के संबंध में प्रधान मंत्री कार्यालय से पत्राचार किया था;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या रक्षा अताशे ने उपर्युक्त कंपनी के सत्यापन के संबंध में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. सुभाष भामरे)**

(क) और (ख): जी हां, माननीय प्रधानमंत्री को संबोधित दिनांक 19 जून, 2017 का पत्र (शिकायतें) प्राप्त हुआ था जिसमें यह उल्लेख किया गया था कि उनकी कंपनी ने 'डीसीडी ग्रैन्ड पावर (पी) लि.' के रूप में भारत में पंजीकृत एक संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन किया था और राइफल निर्माणी, इच्छापुर को उनके विज्ञापन के प्रत्युत्तर में अत्याधुनिक लघु शस्त्रों के सह-उत्पादन हेतु जुलाई, 2015 में अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिया था। 14 जून, 2016 को आयुध निर्माणी बोर्ड (ओएफबी) में बैठक की गई परंतु किसी एमओयू पर हस्ताक्षर नहीं किए गए और कंपनी को कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है तथा वह प्रस्ताव की स्थिति के संबंध में अनभिज्ञ है।

(ग) और (घ): जी नहीं, दिनांक 19 जून, 2017 के उपर्युक्त शिकायत पत्र में भारतीय रक्षा अताशे को 02 अगस्त, 2017 को कंपनी का सत्यापन किए जाने का कार्य सौंपे जाने के संबंध में ऐसा कोई उल्लेख नहीं है।

(ड.) और (च): दिनांक 05 फरवरी, 2018 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. 26 के संबंध में दिए गए उत्तर के बारे में माननीय संसद सदस्य के पत्र के आधार पर आगे और की गई जांच में रक्षा अताशे, भारतीय दूतावास, प्राग ने यह सूचित किया है कि उन्होंने विदेश मंत्रालय के जरिये प्राप्त गृह मंत्रालय के अनुरोध के आधार पर फर्म की विश्वसनीयता के मूल्यांकन / सत्यापन के लिए 02 अगस्त, 2017 को फर्म मै. ग्रैन्ड पावर, स्लोवाकिया का दौरा किया था और इस संबंध में रक्षा अताशे द्वारा एक रिपोर्ट विदेश मंत्रालय को सौंप दी गई।

**\*\*\***